

असाधारणा EXTRAORDINARY

भाग II—ऋण्ड 3—जप-सण्ड (iil) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 44) नई बिल्ली, बुधवार, नधम्बर 18, 1981/काप्तिक 27, 1903 No. 44] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOV. 18, 1981/KARTIKA 27, 1903

इस भाग में भिन्न पूछ्ठ संस्था को जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

<del>madra</del> linaung u muli madan-agrad si sa ditus

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भारत निर्वाधन आयोग

## अधिसूचना

नई विल्ली, 18 नवम्बर, 1981

आ. अ. 85(अ) .—िनर्वाचिनों का संचालन नियम, 1981 के नियम 5 और 10 कीर निर्वाचन प्रतीक (औरक्षण और आवंदन) आदेश, 1968 के पैरा 17 के उप-पैरा (1) के खण्ड (घ) और उप-पैरा (2) और पैरा 18 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग कर्ने हुए, निर्वाचन आयोग, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-2, खण्ड 3(2) तारीस 28 सितम्बर, 1979 में का. आ. 557(अ) के रूप में प्रकाशित

अपनी अधिसूचना संख्या 56/79 तारीस 28 सितम्बर, 1979 में एतब्दारा निम्न-लिसित संशोधन और करता है, जिसे तारीस 29 अक्टूबर, 1981 से प्रभावी सम्भन्न जाएगा, अर्थात् :---

उथत अधिब्रुधना से संलग्न सारणी-4 में मद 19 तमिलनाडु के मामने, स्तम्भ 2 के तीक निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ें :—

''21 बाह्याहकिल''

[सं. 56/79-27] आदेश से,

के गणेशक, सचिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

## NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November, 1981

O.N. 85(E).—In exercise of the powers conferred by rules 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules, 1961 and clause (d) of sub-paragraph (1) and sub-paragraph (2) of paragraph 17 and paragraph 18 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Election Commission hereby makes the following further amendment in its notification No. 56/79 dated 28-9-1979 published as S.O. 557(E) in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3(ii) dated 28th September, 1979, which shall be deemed to have been made with effect from 29th October, 1981, namely—

In Table 4 appended to the said notification against Item 19. TAMIL NADU, under column 2, insert the entry "21. Bicycle".

[No. 56/79-XXVII]

By order,

K. GANESAN, Secy,